COURSE-IV & V (GROUP A) Opt. (iii): PEDAGOGYOF SANSKRIT

Time: 3 Hours **Max. Marks: 100**

(Theory: 80, Internal: 20)

NOTE FOR PAPER SETTER

i) Paper setter will set 9 questions in all, out of which students will be required to attempt 5 questions.

ii) Q. No. 1 will be compulsory and will carry 16 marks. There will be 4 short-answer type questions of 4 marks each to be selected from the entire syllabus.

iii) Two long answer type questions will be set from each of the four units, out of which the students will be required to attempt one question from each unit. Long-answer type questions will carry 16 marks each.

iv) All questions will carry equal marks.

OBJECTIVES

After completion of the course, student teachers will be able to:

- explain the nature, need & principles of Sanskrit Language
- describe different methods of teaching of Sanskrit
- demonstrate the use of various audio visual aids
- explain the objectives and steps of teaching prose, poetry, composition &grammar of Sanskrit
- define the meaning of evaluation and types of evaluating techniques
- explain and organise different type of co-curricular activities related to Sanskrit (Shloka Recitation, Lecture, Dramatization and other creative competitions)

COURSE CONTENT

इकाई 1

- संस्कृत भाषा शिक्षण – अर्थ, महत्त्व, उद्देश्य
- संस्कृत भाषा एवं साहित्य का ऐतिहासिक तथा वर्तमान अवलोकन
  संस्कृत भाषा की पाठ्यक्रम में अनिवार्यता या स्थान
- संस्कृत भाषा शिक्षण मेंसामान्य सिद्धान्त तथा सूत्र
  संस्कृत भाषा शिक्षण मे ंश्रवण तथा पठन का अभ्यास

इकाई 2

- संस्कृत भाषा शिक्षण की विभिन्न पद्धतियाँ – उद्देश्य, विशेषताएँ, लाभ तथा सीमाएँ
- संस्कृत भाषा शिक्षण की विधियाँ
  - ➢ पाठशाला विधि
  - ➢ पाठ्यपुस्तक विधि
  - ➢ प्रत्यक्ष विधि

- ➢ व्याकरण अनुवाद विधि
- ➢ संस्कृत पाठ्य पुस्तक निर्माण
- ➢ संस्कृत अध्यापक तथा दृश्य श्रव्य साधन प्रयोग
- ➢ सूक्ष्म तथा विस्तृत पाठ योजना

- संस्कृत भाषा शिक्षण एवं पुस्तकालय

इकाई 3

संस्कृत में विधाओं का शिक्षण

- संस्कृत में गद्य–शिक्षण–प्रक्रिया. उद्देश्य तथा सोपान
- संस्कृत में पद्य–शिक्षण– प्रक्रिया. उद्देश्य तथा सोपान
- संस्कृत में व्याकरण शिक्षण –प्रक्रिया. उद्देश्य तथा सोपान
- संस्कृत में रचना शिक्षण – प्रक्रिया. उद्देश्य तथा सोपान
- संस्कृत में अनुवाद शिक्षण– प्रक्रिया. उद्देश्य तथा सोपान

संस्कृत विषय वस्तु

- धातु रूप–पठ्, लिख्, अस्, भू, कृ (लट् तथा लृँ लकार)
- शब्द रूप– राम, हरि, नदी, लता
- प्रत्यय – (अनीयर्, तव्यत्) समास (बहुब्रीहि द्वन्द्व)
- शब्दार्थ तथा अनुवाद (8वीं तथा 10वीं हरियाणा बोर्ड के पाठ्यक्रम से)

इकाई 4

संस्कृत भाषायी कौशल

- संस्कृतमे उच्चारण शिक्षण – अशुद्धि उच्चारण केप्रकार, व्याकरण तथासुधार के उपाय।
- संस्कृतमेंअक्षर–विन्यास, शिक्षण–सम्बन्धी अशुद्धियां,कारण तथा निवारण केउपाय।

संस्कृत भाषा ज्ञान का मूल्यांकन, अर्थ, परीक्षाओं के प्रकार (निबंधात्मक, वस्तुनिष्ठ, लघूत्तर)

- गृहकार्य नियोजन एवं संशोधन प्रक्रिया।
- संस्कृत भाषा की सहपाठ्य क्रियाएं (श्लोकोच्चारण, भाषण, अभिनयीकरण एवं रचनात्मकप्रतियोगिताएं)

संस्कृत शिक्षण हेतु अनुमोदित पुस्तकें

- चौबे, विजय नारायण (1985) संस्कृत शिक्षण विधि, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनउ।
- सफाया, रघुनाथ (1990) संस्कृत–शिक्षण, चण्डीगढ़ः हरियाणा हिंदी ग्रंथ, चण्डीगढ़।
- पाण्डेय, राम शुक्ल (2008) संस्कृत–शिक्षण, आगरा एकादमीः विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- मित्तल संतोष (2008) टीचिंग ऑपफ संस्कृत, आर.एल. बुक डिपो।
- वत्स, वी0 एल0 (2008) संस्कृत शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
- अशोक शर्मा और सुमन अग्रवाल (1997) टिचिंग ऑफ संस्कृत, विजया पब्लिकेशन, लुधियाना।